Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)
Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.
PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.
a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519
ISBN: 978-1-5313-1308-1

# योना

## परमेस्सर क बोलाउब अउ योना क भागब

१ अमित्तै क पूत योना स यहोवा कहेस। यहोवा
कहेस, २ "नीनवे *एक ठु बड़का नगर अहइ।
हुआँ क लोग जउन पाप करम करत अहइँ, ओनमाँ
बहोत स पापन क बारे मँ मइँ सुनेउँ ह। एह बरे तू
उ सहरे मँ जा अउर हुआँ क लोगन्क बतावा कि उ
पचे ओन बुरे पापन करब तजि देइँ।"

३ योना परमेस्सर क बात नाहीं मानइ चाहत
रहा, तउ योना परमेस्सर स कहूँ दूरि पराइ बरे
जतन किहेस। तउ योना यापो †कइँती चला गवा।
योना एक ठु नाव लिहेस जउन सुदूर सहर तर्सीस
‡कइँती जात रही। योना आपन जात्रा बरे धन
दिहस अउर उ नाव पइ जाइके चढ़ा। योना चाहत
रहा कि इ नाव पइ उ लोगन्क संग तसीर्स चला
जाइ अउर कहूँ दूरि पराइ जाइ।

## खउफनाक तूफान

४ मुला यहोवा सागरे मँ एक ठु खउफनाक
तूफान उठाइ दिहस। आँधी सागरे क बहोत
असान्त कइ दिहेन इ अइसा लागत रहा कि
जहाज क टूका-टूका होइ जाब्या। ५ तूफान ऍतना
प्रबल रहा कि नाव क बूड़इ स बचावइ बरे ओका
तनिक हलका कइ दीन्ह जाइके निर्णय कीन्ह
गएस। तउ मल्लाह नाव क सामान क उठाइके
सागरे मँ बहावइ लागेन। उ पचे बहोतइ ससाइ ग
रहेन। हर मनई अपने अपने देवतन स पराथना
करइ लागेन।

योना सोवइ बरे नाव मँ खाले तलघरा चला
गवा रहा, अउर उ सोवत रहा। ६ नाव क प्रमुख
खेवइया योना क इ रूपे मँ लखिके कहेस, "उठा!
तू काहे सोवत अहा? आपन परमेस्सर स पराथना
करा। होइ सकत ह, तोहार परमेस्सर तोहार
पराथना सुनि लेइ अउर हम पचन्क बचाइ लेइ।"

## इ तूफान काहे आवा?

७ मनइयन फुन आपुस मँ कहइ लागेन, "हम
पचन्क इ जानइ बरे कि हम पचन्पइ बिपदा कउने
कारण पड़ति अहइँ, हम पचन्क पाँसन लोकाँवइ
चाही।"

तउ लोगन पासन्क लोकाँएन। पाँसन्स इ परगट
भवा कि बिपदन योना क कारण आइ अहइँ। ८ एह
पइ मनइयन योना स कहेन, "इ केकर दोख अहइ,
जेकरे कारण इ सबइ बिपदन हम पचन पइ पड़ी
अहइँ? हम पचन्क बतावा तोहार काम धंधा का
अहइ? तू कहाँ स आवत अहा? तोहार देस कउन
स बाटइ? तोहार आपन लोग कउन अहइँ?"

९ योना मनइयन स कहेस, "मइँ एक ठु हिब्रू
अहउँ अउर सरगे क परमेस्सर यहोवा क उपासना
करत हउँ, उ उहइ परमेस्सर अहइ, जउन सागरे
अउ धरती क दुइनउँ क रचेस ह।"

१० योना मनइयन स कहेस कि उ यहोवा स दूरि
भागत अहइ। जब मनइयन क इ क पता लगि
तउ उ पचे बहोतइ ससाइ गएन। मनइयन योना
स कहेन, "तू इ पाप आपन परमेस्सर क खिलाफ
काहे किह्या ह" ¶

११ ओहर आँधी अउ तूफान अउर समुद्दर क
लहरियन तेज स तेज होत भइ जात रहिन। तउ
मनइयन योना स कहेन, "समुद्दर क सान्त करइ
बरे हम पचन्क तोहरे संग का करइ चाही?"

१२ योना मनइयन स कहेस, "मइँ जानत हउँ कि
मोरे कारण ही समुद्दर मँ इ तूफान आवा ह। तउ
तू पचे मोका समुद्दरे मँ लोकाइ द्या। एहसे तूफान
सान्त होइ जाइ।"

१३ मुला उ पचे योना क समुद्दर मँ लोकावइ
नाहीं चाहत रहेन। मल्लाह नइया क किनारे
वापस लिआवइ बरे ओका खेवइ क जतन करइ
लागेन। मुला उ पचे वइसा नाहीं कइ पाएन,
काहेकि आँधी, तूफान अउ समुद्दर क लहरियन
बहोत ताकतवर रहिन। अउर उ सबइ तेज स तेज
होत जात रहिन।

---

*१ :२ नीनवे असीरिया क राजधानी। असीरिया क फउज उत्तरी इस्राएल क बर्बाद ७२२–७२१ ई. पू. मँ किहस।

†१ :३ यापो भूमध्य सागर स लगा इस्राएल क समुदरी तट क एक ठु कसबा।

‡१ :३ तर्सीस साइद इ स्पेन मँ एक सहर। इ पच्छिम मँ बहोतइ दूर रहा जहाँ योना पहोंच सका। नीनवे इस्राएल क पूरब मँ रहा।

¶१ :१० तू इ ... किह्या ह साब्दिक "तू का किहस ह।"

### योना क सजा

१४ तउ मनइयन यहोवा क गोहँरावत भए
कहेस, "हे यहोवा, इ मनई क हम पचे एकर ओन
बुरे करमन बरे समुद्दर मँ लोकावत अही, जउन
इ किहेस ह। किरपा कइके, तू हम पचन्क कउनो
बेकसूर मनई क हत्तियारा जिन कहया। एकरे
हत्तिया बरे तू हम पचन्क जिन मारि डाया। हम
पचे जानित ह कि तू यहोवा अहा अउर तू जइसा
चहब्या, वइसा ही करब्या। मुला किरपा कइके तू
हम पचन्प दयालु ह्वा।"
१५ तउ मनइयन योना क समुद्दरे मँ लोकाँइ
दिहन। तूफान थम गवा, समुद्दर सान्त होइ गवा।
१६ जब मनइयन इ लखेन, तउ पचे यहोवा स डेराइ
लागेन अउ ओकर सम्मान करइ लागेन। मनइयन
एक ठु बलि दिहन, अउर यहोवा स बिसेस मन्नतन
क माँगेन।
१७ योना जब समुद्दर मँ गिरा, तउ यहोवा योना
क लील जाइ बरे एक ठु बहोत बड़की मछरी
पठएस। योना तीन दिन अउ तीन राति तलक ओ
मछरी क पेटे मँ रहा।

२ १ योना जब मछरी क पेटे मँ रहा, तउ उ आपन
परमेस्सर यहोवा क पराथना किहेस। योना
कहेस,
२ "मइँ गहिर विपदा मँ रहेउँ।
मइँ यहोवा क दोहाई दिहेउँ
अउर उ मोका जवाब दिहस।
मइँ गहिर कबर क बीचउ बीच रहेउँ।
हे यहोवा, मइँ तोहका गोहँराएउँ
अउर तू मोर पुकार सुन्या!
३ "तू मोका समुद्दरे मँ लोकॉइ दिहे रह्या।
तोहार ताकतवर लहरियन मोका थपेड़ा मारेन,
मइँ समुद्दरे क बीच मँ मइँ गहिरा स गहिरा उतरन
चला गएउँ।
मोरे चारिहुँ कइँती सिरिफ पानी ही पानी रहा।
४ फुन मइँ सोचेउँ, 'अब मइँ, जाइ क मजबूर हउँ,
जहाँ तोहार दृस्टि मोका देख नाहीं पाइ।'
मुला मइँ सहायता पावइ क तोहरे पवित्तर मन्दिर
कइँती निहारत रहब।
५ "समुद्दर क जल मोका लील लिहेस ह।
पानी मोर मुँह बंद कइ दिहस,
अउर मोर साँस घुटि गइ।
मइँ गहिर समुद्दरे क बीच उतरत चला गएउँ
मोरे मूँड़े क चारिहुँ ओर खरपतवार लपट गएन ह।
६ मइँ समुद्दरे क तलहटी पइ पड़ा रहेउँ,
जहाँ पर्वत जन्म लेत हीं।
मोका अइसा लाग, जइसे इ बन्दीघरे क बीच सदा
सर्वदा बरे मोह पइ ताला जड़ा अहइँ।
मुला हे मोर परमेस्सर यहोवा, तू मोका मोर इ कब्र
स निकारि लिहा।
हे परमेस्सर, तू मोका जिन्नगी दिहा।
७ "जब मइँ बेहोस होत रहेउँ।
तब मइँ यहोवा क सुमरन किहेउँ हे यहोवा,
मइँ तोहसे बिनती किहेउँ
अउर तू मोर पराथनन आपन पवित्तर मन्दिर मँ
सुन्या।
८ "लोग जउन बेकार मूरतियन क पूजा करत हीं
यहोवा क छोड़ दिहेस जउन कि ओन लोगन बरे
दयालु रहेन।
९ मुक्ति तउ बस सिरिफ यहोवा स आवत ह!
हे यहोवा, मइँ तोहका सबइ बलि देब,
अउर तोहार गुन गाउब।
मइँ तोहार धन्यवाद करब।
मइँ तोहार मन्नतन माँगब अउर आपन मन्नतन
क पूरा करब।"
१० फुन यहोवा उ मछरी स कहेस अउर उ योना
क झुरान धरती पइ आपन पेटे स बाहेर उगलि
दिहस।

### परमेस्सर क बोलाउब अउर योना क आग्या पालन

३ १ एकरे पाछे यहोवा योना स फुन कहेस।
यहोवा कहेस, २ "तू नीनवे क बड़के नगर मँ
जा अउर हुआँ जाइके, जउन बातन मइँ तोहका
बतावत हउँ, ओनकर सिच्छा द्या।"
३ तउ यहोवा क आग्या मानिके योना नीनवे क
चला गवा। निनवे एक ठु विसाल नगर रहा। उ
एँतना विसाल रहा, कि उ नगरे मँ एक किनारे स
दूसर किनारे तलक मनइयन क पैदल चलिके तीन
दिन क समइ लागत रहा।
४ तउ योना सहर क जात्रा सुरू किहस अउर
सारे दिन उपदेस दिहस। योना कहेस, "चालीस
दिन पाछे नीनवे तबाह होइ जाइ।"
५ परमेस्सर कइँती मिले भए इ सँदेस पइ, नीनवे
क लोग बिस्सास किहन अउर उ सबइ लोग कछू
समइ बरे खइया तजिके पापन पइ सोच-बिचार
करइ क निर्णय लिहन। लोग आपन दु:ख परगट
करइ बरे खास तरह क ओढ़ना धारण किहेन। सहरे
क सबहिं लोग चाहे उ पचे बड़कवा या बहोतइ
छोट होइँ, अइसा ही किहन।
६ नीनवे क राजा इ सबइ बातन सुनेन अउर
उ भी आपन बुरे करमन क सोक मनाएन। एकरे

बरे राजा आपन सिंहासन तजि दिहस। उ आपन राजसी वस्त्र हटाइ दिहस अउर आपन दु:ख परगट करइ बरे सोक वस्त्र धारण कइ लिहस। एकरे पाछे उ राजा धूरि मँ बइठि गवा। ७ राजा एक खास सँदेस लिखवाएस अउर उ सँदेस क सारे सहर मँ ढिंढोरा पिटवाएस:

राजा अउर ओकर बड़कन सासक लोगन
कइँती स आदेस रहा :
लोगन क कउनो समूह क अउ न ही कउनो
जनवारन क झुण्ड क चरागाहे मँ जाइ दीन्ह
जाइ। अउर न ही कछू खइहीं अउर न जल
पिइहीं। ८ बल्कि हर मनई अउ हर गोरू टाट
पहिरही जेहसे इ देखाँइ देइ कि उ सबइ
दु:खी अहइँ। लोग ऊँची अवाज मँ परमेस्सर
क गोहरइहीं। हर मनई क आपन जिन्नगी
बदलइ क होइ अउर ओका चाही कि उ बुरे
करमन क तजि देइ। ९ तब होइ सकत ह
कि परमेस्सर क इच्छा बदलि जाइ अउर
उ जउन योजना रचे बाटइ, वइसी बात न
करइ। होइ सकत ह कि परमेस्सर क इच्छा
बदलि जाइ अउर कुपित न होइ। तब होइ
सकत ह कि हम पचन्क सजा न दीन्ह जाइ।

१० लोग जउन बातन किहे रहेन, ओनका परमेस्सर लखेस। परमेस्सर निहारेस ह कि लोग बुरा करम करब बंद कइ दिहेन। तउ परमेस्सर आपन मन बदल दिहस अउर जइसा करइ क उ योजना रचे रहा, वइसा नाहीं किहस। परमेस्सर लोगन क सजा नाहीं दिहस।

## परमेस्सर क करूणा स योना कोहाइ गवा

४ १ योना इ बात पइ खुस नाहीं रहा कि परमेस्सर नगर क बचाइ लिहे रहा। योना कोहाइ गवा। २ उ यहोवा स सिकायत करत भवा कहेस, "मइँ जानत रहेउँ कि अइसा ही होइ। मइँ तउ अपने देस मँ रहेउँ, अउर तू ही मोहसे हिआँ आवइ क कहे रह्या। उहइ समइ मोका इ पता रहा कि तू इ पापी नगर क लोगन क छिमा कइ देब्या। मइँ एह बरे तर्सीस जाइ क सोचे रहेउँ। मइँ जानत रहेउँ कि तू एक दयालु परमेस्सर अहा! मइँ जानत रहेउँ कि तू करूणा देखाँवत ह अउ मनइयन क सजा देइ नाहीं चहत्या। मोका पता रहा कि तू करूणा स पूर्ण अहा। मोका गियान रहा कि इ सबइ लोग पाप करब तजि दिहेन तउ तू एँनकर बिनास क योजनन क बदल देब्या। ३ तउ हे यहोवा, अब मइँ तोहसे इहइ माँगत हउँ, कि तू मोका मारि डावा। मोरे बरे जिअत रहइ स मरि जाब उत्तिम अहइ।"

४ एह पइ यहोवा कहेस, "का तू सोचत अहा कि बस एह बरे कि मइँ ओन लोगन क कस्ट नाहीं दीन्ह, तोहार किरोध करब नीक बाटइ?"

५ इ सबइ बातन स योना अबहुँ कोहान रहा। तउ उ सहर क बाहेर चला गवा। योना एक ठु अइसे जगह पइ चला गवा जउन सहर क पूरब प्रदेस क निअरे रहा। योना हुआँ आपन बरे एक पड़ाव बनाइ लिहस। फुन ओकर छाया मँ हुवँइ बइठे-बइठे उ इ बाते क बाट जोहइ लाग कि देखी इ सहरे क साथ का घटति ह।

## रेंडीं क पउधा अउ किरवा

६ ओहर यहोवा रेंडीं क एक ठु अइसा पउधा लगाएस जउन बहोत तेजी स बाढ़ि गवा अउ योना पइ छाइ गवा। एँहसे योना क बइठे बरे एक ठंडी जगह बनाइ दिहस। योना क एहसे अउर जियादा आराम मिला। इ पउधे क कारण योना बहोत खुस रहा।

७ अगले दिन भिंसारे उ पउधे का एक ठु हींसा खाइ लेइ बरे परमेस्सर एक ठु किरवा पठएस। किरवा उ पउधे क खाब सुरू कइ दिहस अउर उ पउधा मुरझाइ गवा।

८ सूरज जब अकासे मँ ऊपरि चढ़ि चुका रहा, परमेस्सर पुरवइया क गरम हवा चलाइ दिहस। योना क मूँड़े पइ सूरज चमकत रहा, अउर योना एक दम्मइ निर्बल होइ गवा रहा। योना परमेस्सर स चाहेस कि उ ओका मउति दइ देइ। योना कहेस, "मोरे बरे जिअत रहइ स नीक बाटइ कि मइँ मरि जाउँ।"

९ मुला परमेस्सर योना स कहेस, "बतावा, तोहरे विचार मँ का सिरिफ एह बरे इ पउधा झुराइ गवा अहइ, तोहार किरोध करब उचित अहइ?"

योना जवाब दिहस, "हाँ, मोर किरोध करब उचित ही बाटइ। मोका एँतना किरोध आवत ह कि जइसे बस मइँ आपन परान ही दइ देउँ!"

१० एह पइ यहोवा कहेस, "लखा, उ पउधे बरे तू तउ कछू भी नाहीं किहा! तू ओका उगाइ दिहा तलक नाहीं। उ राति मँ फूटि गवा रहा अउर अगले दिना उ नस्ट होइ गवा अउर अब तू पउधे बरे एँतना दु:खी अहा। ११ अगर तोहका उ पउधे बरे एँतना चिन्ता अहइ तउ का मोका नीनवे जइसा बड़ा सहर पइ दाया नाहीं राखी चाही जेहमाँ बहोत स लोग अउर बहोत स जनावरन रहत हीं? जहाँ १,२०,००० स जियादा लोग रहत हीं, जउन

इ भी नाहीं जानतेन कि का उ पचे गलत काम
करत अहइँ ? का मोका ओन लोगन क बचाइ नाहीं
चाही ?”